

• Knowledge Process Outsourcing (KPO)

Knowledge Process Outsourcing (KPO) means information related [business](#) task or knowledge-based processes such as research, analysis, consultancy or any other high-level task are outsourced i.e. done by the workers of another company or allocated to the subsidiary of the same organization.

These subsidiaries can be in different countries or geographical location. This is done in order to save resources and costs. KPO firms can take decisions of businesses on the behalf of the parent companies. KPO is nothing but the subset of [Business Process Outsourcing \(BPO\)](#).

Cost-effectiveness, access to the best talent, focus, better utilization of the resources are the advantages of Knowledge Process Outsourcing (KPO). Let us learn about KPO in greater detail.

• ज्ञान प्रक्रिया आउटसोर्सिंग (केपीओ)

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (KPO) का अर्थ है सूचना संबंधी व्यावसायिक कार्य या ज्ञान-आधारित प्रक्रियाएं जैसे अनुसंधान, विश्लेषण, परामर्श या कोई अन्य उच्च-स्तरीय कार्य आउटसोर्स किया जाता है अर्थात किसी अन्य कंपनी के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है या उसी संगठन की सहायक कंपनी को आवंटित किया जाता है।

ये सहायक कंपनियां विभिन्न देशों या भौगोलिक स्थिति में हो सकती हैं। यह संसाधनों और लागतों को बचाने के लिए किया जाता है। केपीओ फर्म मूल कंपनियों की ओर से व्यवसायों के निर्णय ले सकती हैं। केपीओ कुछ और नहीं बल्कि बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) का सबसेट है।

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (केपीओ) के लाभ लागत-प्रभावशीलता, सर्वोत्तम प्रतिभा तक पहुंच, फोकस, संसाधनों का बेहतर उपयोग हैं। आइए केपीओ के बारे में विस्तार से जानें।

- **नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (KPO)**

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (KPO) म्हणजे माहितीशी संबंधित व्यवसाय कार्य किंवा ज्ञान-आधारित प्रक्रिया जसे की संशोधन, विश्लेषण, सल्लामसलत किंवा इतर कोणतेही उच्च-स्तरीय कार्य आउटसोर्स केले जाते म्हणजे दुसऱ्या कंपनीच्या कामगारांनी केले किंवा त्याच संस्थेच्या उपकंपनीला वाटप केले.

या उपकंपन्या वेगवेगळ्या देशांमध्ये किंवा भौगोलिक स्थानावर असू शकतात. संसाधने आणि खर्च वाचवण्यासाठी हे केले जाते. केपीओ कंपन्या मूळ कंपन्यांच्या वतीने व्यवसायाचे निर्णय घेऊ शकतात. केपीओ हे बिझनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) च्या उपसंचशिवाय दुसरे काहीही नाही.

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (KPO) चे फायदे म्हणजे खर्च-प्रभावशीलता, सर्वोत्तम प्रतिभेचा प्रवेश, फोकस, संसाधनांचा अधिक चांगला वापर. KPO बदल अधिक तपशीलवार जाणून घेऊया.

What is Knowledge Process Outsourcing?

Knowledge Process Outsourcing (KPO) is when difficult, high-level tasks get outsourced by a company to a vendor. So the activities which the company will be outsourcing are core activities.

They require skills, technical knowledge, and expertise. So a company outsources these tasks to another company (vendor) or a [subsidiary](#) company located in the same country or sometimes offshores for cost purposes.

As we know, BPO services are also the outsourcing of activities, but non-core activities. So a KPO will be a subset of a BPO. However, KPO involves more core activities with specialized and technical work.

The [company](#) outsources to KPO's for their skilled labor and subject expertise, not to lower their work burden. It is also an opportunity to lower costs because, in developing countries like India, skilled and educated [labor](#) is a lot cheaper.

So a KPO is like an umbrella, it covers a variety of activities. So there are many types of KPO's like [market](#) research, legal discovery, [financial](#) research, pharma and biotech, data analytics, creative design, technical content writing etc.

As it happens India is one of the leading providers of many of these KPO [services](#), especially in the technical and scientific fields. It is currently a \$14 billion [industry](#) in India.

Some famous companies providing such KPO services in India are Wipro, TCS, WNS Global, Aditya Birla Minacs etc. And still, this sector continues to grow at a very fast pace. But in recent years India is facing huge competition from countries like China, the Philippines, and the Czech Republic etc.

- नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग क्या है

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (केपीओ) तब होता है जब एक कंपनी द्वारा एक विक्रेता को कठिन उच्च-स्तरीय कार्यों को आउटसोर्स किया जाता है। इसलिए कंपनी जिन गतिविधियों को आउटसोर्सिंग करेगी, वे मुख्य गतिविधियां हैं।

उन्हें कौशल, तकनीकी ज्ञान और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। इसलिए एक कंपनी इन कार्यों को किसी अन्य कंपनी (विक्रेता) या उसी देश में स्थित एक सहायक कंपनी या कभी-कभी लागत उद्देश्यों के लिए अपतटीय को आउटसोर्स करती है।

जैसा कि हम जानते हैं, बीपीओ सेवाएं भी गतिविधियों की आउटसोर्सिंग हैं लेकिन गैर-मुख्य गतिविधियां हैं। तो एक केपीओ एक बीपीओ का सबसेट होगा। हालांकि केपीओ में विशिष्ट और तकनीकी कार्यों के साथ अधिक मुख्य गतिविधियां शामिल हैं।

कंपनी केपीओ को उनके कुशल श्रम और विषय विशेषज्ञता के लिए आउटसोर्स करती हैं कि उनके काम के बोझ को कम करने के लिए। यह लागत कम करने का भी एक अवसर है क्योंकि भारत जैसे विकासशील देशों में कुशल और शिक्षित श्रम बहुत सस्ता है।

तो एक केपीओ एक छत्र की तरह है इसमें विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया गया है। तो कई प्रकार के केपीओ हैं जैसे बाजार अनुसंधान, कानूनी खोज, वित्तीय अनुसंधान, फार्मा और बायोटेक, डेटा एनालिटिक्स, रचनात्मक डिजाइन, तकनीकी सामग्री लेखन आदि।

जैसा कि होता है, भारत इनमें से कई केपीओ सेवाओं के अग्रणी प्रदाताओं में से एक है खासकर तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रों में। यह वर्तमान में भारत में \$14 बिलियन का उद्योग है।

भारत में ऐसी केपीओ सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ प्रसिद्ध कंपनियां विप्रोटीसीएस, डब्ल्यूएनएस ग्लोबल, आदित्य बिड़ला मिनाक्स आदि हैं। और फिर भी यह क्षेत्र बहुत तेज गति से बढ़ रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में भारत को चीन, फिलीपींस और चेक गणराज्य आदि देशों से भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

- **नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग म्हणजे काय**

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (KPO) म्हणजे जेव्हा कठीण, उच्च-स्तरीय कामे एखाद्या कंपनीद्वारे विक्रेत्याकडे आउटसोर्स केली जातात. त्यामुळे कंपनी ज्या उपक्रमांचे आउटसोर्सिंग करणार आहे ते मुख्य उपक्रम आहेत.

त्यांना कौशल्ये, तांत्रिक ज्ञान आणि कौशल्य आवश्यक आहे. म्हणून एखादी कंपनी ही कार्ये दुसऱ्या कंपनीला (विक्रेता) किंवा त्याच देशात किंवा काहीवेळा किमतीच्या उद्देशाने ऑफशोरवर असलेल्या उपकंपनीकडे आउटसोर्स करते.

आपल्याला माहिती आहे की, बीपीओ सेवा देखील क्रियाकलापांचे आउटसोर्सिंग आहेत परंतु नॉन-कोअर क्रियाकलाप आहेत. त्यामुळे KPO हा BPO चा उपसंच असेल. तथापि, KPO मध्ये विशेष आणि तांत्रिक कार्यासह अधिक मुख्य क्रियाकलाप समाविष्ट आहेत.

कंपनी KPO ला त्यांच्या कुशल कामगारांसाठी आणि विषयातील कौशल्यासाठी आउटसोर्स करते, त्यांच्या कामाचा भार कमी करण्यासाठी नाही. खर्च कमी करण्याची ही एक संधी आहे कारण, भारतासारख्या विकसनशील देशांमध्ये, कुशल आणि शिक्षित कामगार खूप स्वस्त आहेत.

त्यामुळे केपीओ हे छत्रीसारखे असते, त्यात विविध क्रियाकलाप समाविष्ट असतात. त्यामुळे मार्केट रिसर्च, कायदेशीर शोध, आर्थिक संशोधन, फार्मा आणि बायोटेक, डेटा ॲनालिटिक्स, क्रिएटिव्ह डिझाइन, टेक्निकल कंटेंट रायटिंग इत्यादीसारखे KPO चे अनेक प्रकार आहेत.

जसे घडते तसे भारत हा यापैकी अनेक KPO सेवांचा एक अग्रगण्य प्रदाता आहे विशेषतः तांत्रिक आणि वैज्ञानिक क्षेत्रात. हा सध्या भारतात 14 अब्ज डॉलरचा उद्योग आहे.

विप्रो, टीसीएस, डब्ल्यूएनएस ग्लोबल, आदित्य बिर्ला मिनाक्स इत्यादी भारतात अशा केपीओ सेवा पुरवणाऱ्या काही प्रसिद्ध कंपन्या आहेत. आणि तरीही हे क्षेत्र अतिशय वेगाने विकसित होत आहे. परंतु अलिकडच्या वर्षात भारताला चीन, फिलीपिन्स आणि झेक प्रजासत्ताक इत्यादी देशांकडून प्रचंड स्पर्धेचा सामना करावा लागत आहे.



shutterstock.com • 511345837

List of KPO Companies in India

- Sutherland Global Services
- WNS
- Boston Analytics
- SG Analytic
- Eclerx
- Syntel
- CRISIL
- iGate
- McKc (Mckinsey Knowledge Centre)
- Deloitte

Advantages of KPO

1. **Cost-effectiveness:** One of the biggest advantages of a KPO is obviously the cost advantage. The company does not have to set up any infrastructure or bear any operational or running [costs](#). And it gets effective, expertizes services at a fraction of the cost.
2. **Access to the best talent:** KPO's provide the company with the best, most knowledgeable and skilled professionals available in the global talent pool. And if the KPO is in a developing [country](#) like India or Philippines then the cost of such talent is also relatively low.
3. **Focus:** Outsourcing some of the processes, allows the company to focus on its core functions. The KPO handles the peripheral functions, and the company can better focus on its core functions and improve their efficiency and results.
4. **Better Utilization of Resources:** If the company outsources the process that is not at the core of their business strategy, it can use the resources it saves in better places. Say a company outsources its supply chain management. Then the resources it saves on this can be utilized to streamline the manufacturing process, R&D activities, better marketing etc.

- **केपीओ के लाभ**

1. लागत-प्रभावशीलता: केपीओ के सबसे बड़े लाभों में से एक स्पष्ट रूप से लागत लाभ है। कंपनी को कोई बुनियादी ढांचा स्थापित करने या कोई परिचालन या चालू लागत वहन करने की आवश्यकता नहीं है। और यह प्रभावी हो जाता है, लागत के एक अंश पर सेवाओं का विशेषज्ञ होता है।

2. सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा तक पहुंच: केपीओ कंपनी को वैश्विक प्रतिभा पूल में उपलब्ध सर्वोत्तम, सबसे जानकार और कुशल पेशेवर प्रदान करता है। और अगर केपीओ भारत या फिलीपींस जैसे विकासशील देश में है तो ऐसी प्रतिभा की लागत भी अपेक्षाकृत कम है।

3. फोकस: कुछ प्रक्रियाओं को आउटसोर्स करना, कंपनी को अपने मुख्य कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है। केपीओ परिधीय कार्यों को संभालता है, और कंपनी अपने मुख्य कार्यों पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकती है और उनकी दक्षता और परिणामों में सुधार कर सकती है।

4. संसाधनों का बेहतर उपयोग: यदि कंपनी उस प्रक्रिया को आउटसोर्स करती है जो उनकी व्यावसायिक रणनीति के मूल में नहीं है, तो वह अपने द्वारा बचाए गए संसाधनों का बेहतर स्थानों पर उपयोग कर सकती है। मान लें कि कोई कंपनी अपने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को आउटसोर्स करती है। फिर इस पर बचत करने वाले संसाधनों का उपयोग विनिर्माण प्रक्रिया, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, बेहतर विपणन आदि को सुव्यवस्थित करने के लिए किया जा सकता है।

- केपीओचे फायदे

1. खर्च-प्रभावीता: KPO चा सर्वात मोठा फायदा म्हणजे खर्चाचा फायदा. कंपनीला कोणत्याही पायाभूत सुविधांची उभारणी करावी लागत नाही किंवा कोणतेही ऑपरेशनल किंवा चालू खर्च सहन करावा लागत नाही. आणि ते प्रभावी होते, किमतीच्या काही अंशी सेवांचे तज्ञ बनते.

2. सर्वोत्कृष्ट प्रतिभेचा प्रवेश: KPO's कंपनीला जागतिक टॅलेंट पूलमध्ये उपलब्ध सर्वोत्तम, सर्वात जाणकार आणि कुशल व्यावसायिक प्रदान करतात. आणि जर केपीओ भारत किंवा फिलीपिन्स सारख्या विकसनशील देशात असेल तर अशा प्रतिभांचा खर्च देखील तुलनेने कमी आहे.

3. फोकस: काही प्रक्रियांचे आउटसोर्सिंग, कंपनीला त्याच्या मुख्य कार्यांवर लक्ष केंद्रित करण्यास अनुमती देते. केपीओ परिधीय कार्ये हाताळते आणि कंपनी त्याच्या मुख्य कार्यांवर अधिक चांगले लक्ष केंद्रित करू शकते आणि त्यांची कार्यक्षमता आणि परिणाम सुधारू शकते.

4. संसाधनांचा उत्तम वापर: जर कंपनीने त्यांच्या व्यवसाय धोरणाचा गाभा नसलेल्या प्रक्रियेची आउटसोर्सिंग केली तर ती वाचवलेली संसाधने चांगल्या ठिकाणी वापरू शकते. म्हणा की एखादी कंपनी तिचे पुरवठा साखळी व्यवस्थापन आउटसोर्स करते. मग त्यावर बचत करणारी संसाधने उत्पादन प्रक्रिया, संशोधन आणि विकास क्रियाकलाप, चांगले विपणन इत्यादी सुव्यवस्थित करण्यासाठी वापरली जाऊ शकतात.

=====kg=====